भाषा की परिभाषा और विशेषताएँ

परिभाषा :- व्यापक अर्थ में भावों और विचारों का आदान-प्रदान जिसके माध्यम से किया जाता है उस भाषा कहते है।

अभिव्यक्ति

मूक (आंगिक,अंगेतर)　　मुखर (सामान्य,सार्थक)

Scanned by CamScanner

परिभाषा

•भाषा शब्द संस्कृत की भाष् धातु से बना है। भाषा का अर्थ है बोलना या कहना ।

• प्लेटो:- विचार आत्मा की मूक या अध्वन्यात्मक बातचीत है,पर वही जब ध्वन्यात्मक होकर होंठों पर प्रकट होती है तो उसे भाषा कहते है।

•स्वीट :- ध्वन्यात्मक शब्दों दवारा हृदयगत भावों तथा विचारों का प्रकटीकरण भाषा है।

•गुणे :- ध्वन्यात्मक शब्दों दवारा हृदयगत भावों तथा विचारों का प्रकटीकरण भाषा है।

•ब्लाक तथा ट्रेगर:- भाषा यादृच्छिक ध्वनि - प्रतीकों की वह व्यवस्था है,जिसके सहारे कोइ सामाजिक समुदाय परस्पर सहयोग करता है।

•डा.मंगलदेव शास्त्री :- मनुष्य और मनुष्य के बीच वस्तुओं के विषय में अपनी इच्छा और मति का आदान प्रदान करने के लिए व्यक्त ध्वनि संकेतो का जो व्यवहार होता है,उसे भाषा कहते है।

Scanned by CamScanner

•देवेन्द्रनाथ शर्मा :- जिसकी सहाय्यता से मनुष्य परस्पर विचार विनिमय या सहयोग करते हैं,उस यादृच्छिक रूढ ध्वनि संकेत प्रणाली को भाषा कहते है।

•आचार्य किशोरीदास वाजपेयी :- विभिन्न अर्थो में सांकेतिक शब्द-समूह ही भाषा है,जिसके दवारा हम अपने मनोभाव दूसरों के प्रति बहुत सरलता से प्रकट करते हैं।

•डा. भोलानाथ तिवारी :- भाषा उच्चारण अवयवों से उच्चारित विश्लेषणीय ध्वनि - प्रतीकों की वह व्यवस्था है,जिसके दवारा एक समाज के लोग आपस में भावों और विचारों आदान-प्रदान करते है।

Scanned by CamScanner